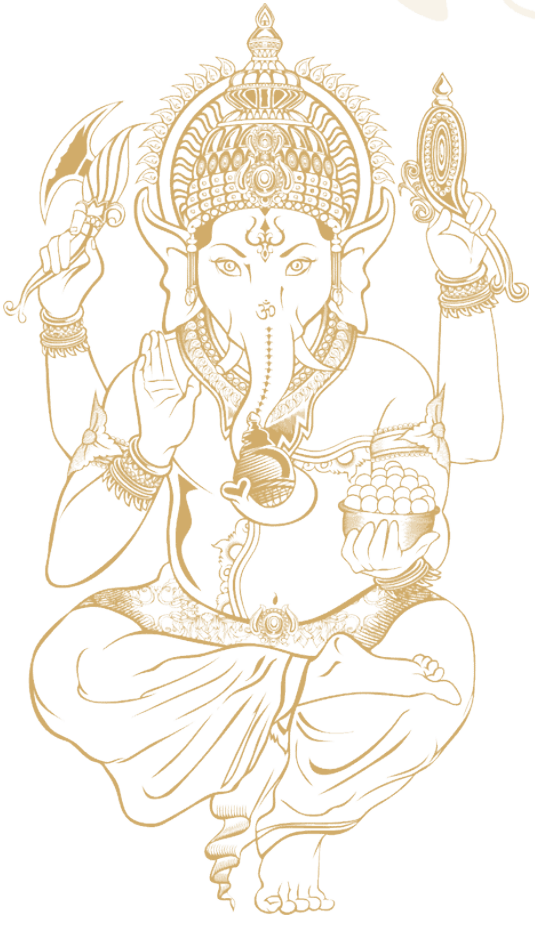

Mr. Dr. Vijay garg

22 Jul 1950

01:10 PM

Bhind

Model: web-freekundliweb

Order No: 121947405

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**22/07/1950**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**13:10:00 घंटे**
इष्ट	18:58:58 घटी
स्थान	**Bhind**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:33:00 उत्तर
रेखांश	78:47:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:14:52 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:55:08 घंटे
वेलान्तर	-00:06:18 घंटे
साम्पातिक काल	08:53:06 घंटे
सूर्योदय	05:34:24 घंटे
सूर्यास्त	19:07:46 घंटे
दिनमान	13:33:21 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	05:45:58 कर्क
लग्न के अंश	15:10:21 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**चित्रा - 4**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	सिद्ध
करण	विष्टि
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	री-रीतेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	15:10:21	313:55:28	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	केतु	---
सूर्य			कर्क	05:45:58	00:57:17	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	बुध	मित्र राशि
चंद्र			तुला	04:02:02	14:02:47	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	सम राशि
मंगल			कन्या	25:42:04	00:32:47	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	शत्रु राशि
बुध			कर्क	17:57:02	01:54:18	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	शत्रु राशि
गुरु	व		कुंभ	13:16:17	00:04:41	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	बुध	सम राशि
शुक्र			मिथु	06:19:37	01:11:47	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	चंद्र	मित्र राशि
शनि			सिंह	23:03:10	00:05:52	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	शत्रु राशि
राहु			मीन	07:08:41	00:00:08	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
केतु			कन्या	07:08:41	00:00:08	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	केतु	शत्रु राशि
हर्ष			मिथु	13:29:41	00:03:24	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	बुध	---
नेप			कन्या	21:35:22	00:00:49	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	---
प्लूटो			कर्क	24:03:36	00:01:46	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	मंगल	---
दशम भाव			कर्क	17:39:11	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:09:59

लग्न-चलित

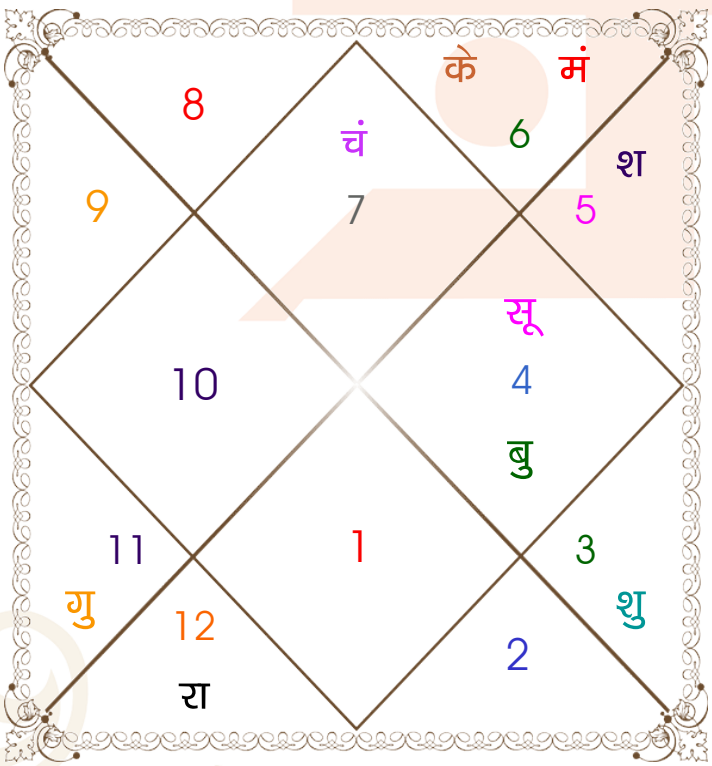

चन्द्र कुंडली

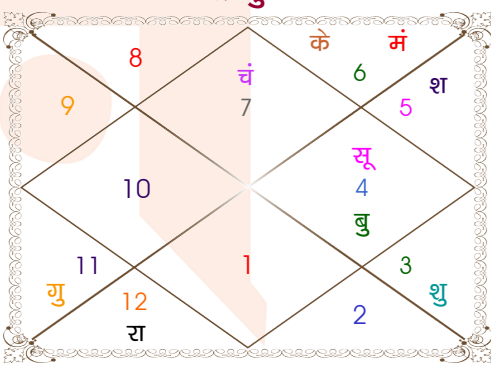

नवमांश कुंडली

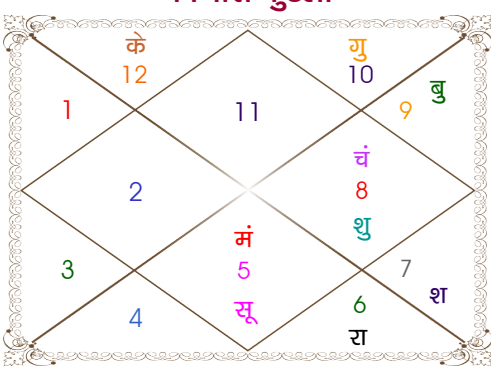

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 1 वर्ष 4 मास 17 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
22/07/1950		09/12/1951		08/12/1969		08/12/1985		08/12/2004	
09/12/1951		08/12/1969		08/12/1985		08/12/2004		08/12/2021	
	00/00/0000	राहु	21/08/1954	गुरु	27/01/1972	शनि	11/12/1988	बुध	07/05/2007
	00/00/0000	गुरु	14/01/1957	शनि	09/08/1974	बुध	21/08/1991	केतु	03/05/2008
	00/00/0000	शनि	21/11/1959	बुध	14/11/1976	केतु	29/09/1992	शुक्र	04/03/2011
	00/00/0000	बुध	09/06/1962	केतु	21/10/1977	शुक्र	30/11/1995	सूर्य	08/01/2012
	00/00/0000	केतु	28/06/1963	शुक्र	21/06/1980	सूर्य	11/11/1996	चंद्र	09/06/2013
	22/07/1950	शुक्र	27/06/1966	सूर्य	09/04/1981	चंद्र	12/06/1998	मंगल	06/06/2014
शुक्र	02/01/1951	सूर्य	22/05/1967	चंद्र	09/08/1982	मंगल	22/07/1999	राहु	23/12/2016
सूर्य	10/05/1951	चंद्र	20/11/1968	मंगल	16/07/1983	राहु	28/05/2002	गुरु	31/03/2019
चंद्र	09/12/1951	मंगल	08/12/1969	राहु	08/12/1985	गुरु	08/12/2004	शनि	08/12/2021

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
08/12/2021		08/12/2028		08/12/2048		09/12/2054		08/12/2064	
08/12/2028		08/12/2048		09/12/2054		08/12/2064		00/00/0000	
केतु	07/05/2022	शुक्र	09/04/2032	सूर्य	28/03/2049	चंद्र	09/10/2055	मंगल	06/05/2065
शुक्र	07/07/2023	सूर्य	09/04/2033	चंद्र	26/09/2049	मंगल	09/05/2056	राहु	25/05/2066
सूर्य	12/11/2023	चंद्र	09/12/2034	मंगल	01/02/2050	राहु	08/11/2057	गुरु	01/05/2067
चंद्र	12/06/2024	मंगल	08/02/2036	राहु	27/12/2050	गुरु	10/03/2059	शनि	09/06/2068
मंगल	08/11/2024	राहु	08/02/2039	गुरु	15/10/2051	शनि	08/10/2060	बुध	06/06/2069
राहु	26/11/2025	गुरु	09/10/2041	शनि	26/09/2052	बुध	10/03/2062	केतु	02/11/2069
गुरु	02/11/2026	शनि	08/12/2044	बुध	03/08/2053	केतु	09/10/2062	शुक्र	22/07/2070
शनि	12/12/2027	बुध	09/10/2047	केतु	08/12/2053	शुक्र	09/06/2064		00/00/0000
बुध	08/12/2028	केतु	08/12/2048	शुक्र	09/12/2054	सूर्य	08/12/2064		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 1 वर्ष 4 मा 15 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। तुला प्रभावित स्वरूप के अनुसार अनुकूल जन्म बिंदु यह सुनिश्चित करता है कि आपका जीवन उत्तम फलदायी रहेगा। साथ-साथ यह भी संकेत प्राप्त हो रहा है कि स्वयं ही कोमल भावनाओं से तप्त पथ पर चल कर मुसीबतों का सामना करना पड़ेगा।

स्वाती नक्षत्र एवं तुला राशि यह निर्देशित करता है कि आप स्वास्थ्य धन एवं प्रसन्नता के दृष्टि से सौभाग्यशाली है। परंतु कुंभ नवमांशदिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप स्वभाव से डरपोक एवं द्विस्वभात्मक विचार के प्राणी हैं। यह आपकी प्रतिभा के समतुल्य नहीं है। इससे आपका साहस विश्वसनीयता, छवि, सत्यनिष्ठा एवं न्याय प्रियता में समानता नहीं हो रही है। आपको इस संभव नकारात्मक प्रवृति पर सफलता प्राप्त करनी चाहिए।

ऐसा हो सकता है कि आपको व्यक्तिगत रूप से अपनी पत्नी के प्रति श्रद्धावान होकर उसको प्रसन्न रखने के लिए वासनामय प्यार दे सके। ऐसी भी संभावना है कि आप अपने गुण के अनुरूप अपनी जीवन संगिनी को संतुष्ट करने के लिए किसी भी प्रकार से सामंजस्य स्थापित कर ले। परंतु जब ऐसा प्रदर्शन करने का मौका मिले तो वासनात्मक ज्यादती किसी भी विपरीत योनि के साथ करने की भावना से मिथ्याचारी प्रदर्शन कर के आप अंदर से कुछ और बाहर से कुछ और हैं ऐसा प्रमाण प्रस्तुत कर दे। आप सामान्यतः विपरीत योनि के प्रति विख्यात प्राणी है। आप प्रेम प्रसंग एवं वासनात्मक तृप्ति हेतु कामातुर होकर संतुष्टि प्राप्ति कर सकते हैं। इस प्रकार की प्रवृति आपको अन्दर से कुछ और तथा बाहर से कुछ और रूप में प्रस्तुत करता है।

यह बहुत उत्तम हो कि आप इस प्रकार के प्रसंग का निषेध कर अपनी संगिनी के प्रति विश्वासपात्र बनें। इस प्रकार की सदभावना पूर्ण कार्य कलाप से आपकी पारिवारिक व्यवस्था सुदृढ़ हों तथा आपकी समझदार पत्नी एवं सुंदर संतान युक्त परिवार में प्रसन्नता का सृजन हो जाए।

आपका जीवन सामान्यतः आपके कठिन श्रम युक्त एवं आपकी कुशाग्र बुद्धि के कारण उत्तम रहेगा। क्योंकि आप अत्यंत धन व्यय कर अपने परिवार को व्यवस्थित रखेंगे। आपके जीवन के इस वर्ष की अवस्था से 35 वर्ष की आयु तक का समय पूर्ण रूपेण धनमात्र के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। जिस वजह से आप मुक्त हस्त से धन का व्यय नहीं करेगे। बल्कि आप सदैव भवन को आकर्षित बनाने में आधुनिक साज शय्याओं एवं कलात्मक ढंग से सजाने पर भी धन का व्यय करेंगे। अन्य शब्दों में आपके आय का आंशिक राशि आपके सम्मिलित होने कारण व्यय होगा। अंत में परिणाम यह होगा कि आपकी वृद्धा अवस्था में धन का अभाव हो जाएगा तथा आपके पास मात्र काम चलाऊ धन राशि शेष रह जाएगा। आपकों अपनी वृद्धावस्था के लिए सदैव ही स्वास्थ्य संबंधी कुछ सावधानी बरतनी चाहिए। आप निःसंदेह उत्तम स्वास्थ्य का आनंद हर परिस्थिति में अच्छी प्रकार से प्राप्त करेंगे। लेकिन कुछ वर्षों के पश्चात्

नाजुक परिस्थिति में कतिपय रोग यथा चर्म रोग, तथा मूत्र संबंधी रोगादि से प्रभावित होने की आशंका है। अतः आपको इन रोगों के प्रति पूर्व ही सावधानी बरतनी चाहिए।

आप अपने कार्य-कलाप में उन्नति हेतु संबंधित अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक उपयुक्त है। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त एवं प्रतिकूल हैं। अस्तु अनुपयुक्त अंको का व्यवहार न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।